First Year Examination of the
Three -Year Degree Course, 2001

(Faculty of Arts)

SANSKRIT

Paper-I

Kavya, Natak evam Prayogik Vyakaran

Time : 3 Hours
[Maximum Marks :100]

1.(अ) निम्नलिखित में से **किन्हीं तीन** श्लोकों की व्याख्या कीजिए: **8+8+8**

(i) लभते सिकतासु तैलमपि यत्नत: पीडयन्
पिबेच्च मृगतृष्णिकासु सलिलं पिपासार्दित:।
कदाचिदपि पर्यटञ्छशविषाणमासादयेत्
न तु प्रतिनिविष्टमूर्खजनचित्ताराधयेत्।।

(ii) विद्या नाम नरस्य रूपमधिकं प्रच्छन्न गुप्तं धनं
विद्या भोगकरी यश: सुखकरी विद्या गुरूणां गुरू:।
विद्याा बन्धुजनो विदेशगमने विद्या परा देवता
विद्या राजसु पूज्यते न तु धनं विद्याविहीन: पशु:।।

(iii) सिंह: शिशुरपि निपतति मदमलिनकपोलभित्तिषु गजेषु।
प्रकृतिरियं सत्त्ववतां न खलु वयस्तेजसो हेतु:।।

(iv) परिक्षीण: कश्चित् स्पृहयति यवानां प्रसृतये
स पश्चात् सम्पूर्ण: कलयतिधरित्रीं तृणसमाम्।
अतश्चानैकान्त्याद् गुरूलघुतयाऽर्थेषु धनिना-
मवस्था वस्तूनि प्रथयति च सङ्कोचयति च।।

(v) विपदि धैर्यमथाभ्युदये क्षमा
सदसि वावाक्पटुता युधि विक्रम:।
यशसि चाभिरुचिर्व्यसनं श्रुतौ
प्रकृतिसिद्धमिदं हि महात्मनाम्।।

(vi) रविनिशाकरयोर्ग्रहपीडनं
गजभुजङ्गमयोरपिबन्धनम्।
मतिमतां च विलोक्य दरिद्रतां
विधिरहो! बलवानिति मे मति:।।

(ब) नीतिशतक के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए: **2+2+2**

(i) हानि किसे कहा गया है?

अथवा

शूर किसे कहा गया है?

(ii) दुर्दशा में भी छुद्रवृत्ति का आश्रय कौन नहीं लेते?

अथवा

कौन सी तीन वस्तुएँ पुण्यवान को ही प्राप्त होती है?

PDF created with FinePrint pdfFactory trial version http://www.fineprint.com

(iii) परोपकारी का स्वभाव कैसा होता है?

अथवा

विपुल पूर्वजन्मार्जित-पुण्यों वाले व्यक्ति को क्या फल प्राप्त होता है?

(स) नीतिशतक के आधार पर विद्याधन की सोदाहरण विशेषताएँ एवं महत्त्व बतलाइये। **10**

अथवा

नीतिशतक की प्रमुख शिक्षाओं को बतलाइये। क्या शिक्षाएँ पाठक की जीवनदिशा को परिवर्तित कर सकती है?

2. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** की सप्रसंग वयाख्या कीजिए: **10+10**

(i) खगा वासोपेता: सलिलमवगाढो मुनिजन:
प्रदीप्तोऽग्निर्माति प्रविचरति धूमो मुनिवनम्।
परिभ्रष्टो दूराद् रविरपि च संक्षिप्तकिरणो
रथं व्यावर्त्यासौ प्रविशति शनैरस्तशिखरम्।।

(ii) नैवेदानीं तादृशाश्चक्रवाका
नैवापन्ये स्त्रीविशेषैर्वियुक्ता:।
धन्या सा स्त्री यां तथा वेत्ति भर्ता
भर्तृस्नेहात् सा हि दग्धाऽप्यदग्धा।।

(iii) रूपश्रिया समुदितां गुणतरच युक्तां
लब्ध्वा प्रियां मम तु मन्द इवाद्यशोक:।
पूर्वाभिघातसरूजोऽप्यनुभूतदु:ख:
पदमावतीमपि तथैव समर्थयामि।।

(iv) संबंधिराज्यमिदमेत्य महान् प्रहर्ष:
स्मृत्वा पुनर्नृपसुता निधनं विषाद:।
किं नाम दैव! भवता न कृतं यदि स्याद्
राज्यं परैरपहृतं कुशलं च देव्या:।।

(ब) संस्कृत में व्याख्या कीजिए: **8**

सविश्रमो ह्यायं भार: प्रसक्तस्तस्य तु श्रम:।
तस्त्रिनृ सर्वमधीनं हि यत्राधाीनो नराधिप:।।

अथवा

कातरा येऽप्यशक्ता वा नोत्साहस्तेषु जायते।
प्रायेग हि नरेन्द्र श्री: सोत्साहैरेव भुज्यते।।

(स) निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए: **2+2+2**

(i) पद्मावती तपोवन किस लिए आई थी?
(ii) महासेन कौन थे?
(iii आरूणि कौन थे?
(iv) मगधराज कौन थे, उनका क्या नाम था?
(v) वसुन्धरा कौन थी?
उदयन द्वारा 'षोडशान्त: पुरज्येष्ठा' किसे कहा गया?

(द) पाठयपुस्तक के आधार पर वासवदत्ता अथवा पद्मावती का चरित्र-चित्रण कीजिए। **11**

PDF created with FinePrint pdfFactory trial version http://www.fineprint.com

3. (अ) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं **दो** संधि-विच्छेद कीजिए: **5**
विपत्तिरथ, नावनता, यद्येवम्, दग्धेति

(आ) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं **दो** का समास विग्रह कीजिए: **5**
सिद्धवाक्यानि, सम्बन्धिराज्यम्, जनितरोषः, स्वस्तकोणेन

(इ) निम्नलिखित मं से किन्ही दो का प्रकृति-प्रत्यय बताइयें : **5**
अवगाढः, प्रसक्तः, उपरमः, गतम्

PDF created with FinePrint pdfFactory trial version http://www.fineprint.com